

प्रेषक,

डा० हेमलता ढोंडियाल  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

प्रेषक,

संयुक्त निदेशक,  
राजकीय मुद्रणालय उत्तराखण्ड,  
रूड़की-हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 2<sup>म</sup> मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में सरकारी मुद्रणालयों में मशीनें तथा उपकरणों एवं संयंत्रों का कय मद में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक (उद्योग) राजकीय मुद्रणालय उत्तराखण्ड, रूड़की के पत्र संख्या: 235/मशीन कय/भण्डार/07 दिनांक: 18 जनवरी, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मा० उच्च न्यायालय नैनीताल में निनी मुद्रणालय के लिए राजकीय मुद्रणालय, रूड़की को वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आयाजनागत पक्ष में सरकारी मुद्रणालयों में मशीनें तथा उपकरणों एवं संयंत्रों का कय मद में रु० 24,82,350/- (रु० चौबीस लाख दयास्सी हजार तीन सौ पचास मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने हेतु निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि व्यय उन्हीं मदों में किया जाये, जिनके लिये यह स्वीकृत किया गया है। व्यय में नितव्यता नितात आवश्यक है व इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का पालन कदाई से किया जाय।

3- यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिससे व्यय करने से बजट मैनुअल तथा वित्तीय हस्तामुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। व्यय करते समय स्टोर पर्येज रुल्स/टेन्डर/कोटेशन/डी०जी०एस०एण्ड डी० के नियमों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। सहकारी संघ द्वारा कय की जा रही मशीनों की अन्य धनों से भी डी०जी०एस० एण्ड डी० की दरें प्राप्त कर के अधिक गुणवत्ता एवं आवश्यकता की मशीन ही कय मूल्य दरियता के अनुसार कय की जायेगी। जो पुरानी मशीनें निष्प्रयोज्य होने योग्य हैं उन्हें तुरन्त निष्प्रयोज्य घोषित करके अर्जित राशि राजकोष में एक माह के अन्दर जमा कर दी जायेगी। डी०जी०एस० एण्ड डी० की दरों पर बाय बैंक स्कीम के तहत भी उक्त उपकरणों के कय पर विचार किया जा सकता है। ताकि कम से कम लागत में मशीन कय की जा सकें।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक: 31.03.2008 तक कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत योजना की मौक्तिक/वित्तीय प्रगति उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध करायी जायेगी। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2008 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

5- उक्त व्यव चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या 23 के मुख्य लेखाशीर्षक 4058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण पर पूजीगत परिव्यय-00, आयोजनागत, 103-सरकारी मुद्रणालय, 03-सरकारी मुद्रणालयों में मशीनें तथा उपकरणों एवं संयंत्रों का क्रय-00-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र के के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 258/XXVII(2)/2008, दिनांक: 19 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता चौधुर्याल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1528 (1)/VII-2/01-रा०मु०/05, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, रुड़की-हरिद्वार।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, उद्योग, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाइल।

आशा है  
(डा० हेमलता चौधुर्याल)  
अपर सचिव।